कोविड–19 के दृष्टिगत माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित पाठ्यक्रम सत्र 2021–22 हेतु लगभग 30 प्रतिशत कम करने के पश्चात् शेष पाठ्यक्रम का अध्यायवार मासिक पंचांग

विषय– संस्कृत , कक्षा –11

क्र0सं0	माह	पाठ्यक्रम
1.	मई	**20 मई से ऑनलाइन शिक्षण कार्य प्रारम्भ।** व्याकरण– समास – तत्पुरुष, कर्मधारय, बहुव्रीहि।
2.	जून	महाकवि बाणभट्ट का जीवन परिचय एवं गद्य शैली। चन्द्रापीडकथा – आसीत् पुरा .....अवष्टभ्य तस्थौ।
3.	जुलाई	महाकवि कलिदास का कवि परिचय एवं काव्य शैली। रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या ' 01 से 10 तक। शब्दरूप –पुंलिड़ग : राम, हरि, गुरु, पितृ, राजन्, विद्वस्
4.	अगस्त	चन्द्रापीडकथा – असावपि पापः .....सवैशम्पायनस्य चन्द्रापीडस्य। धातुरुप– परस्मैपद – भू, पठ्, पा, गम्, दृश्, स्था, नी, प्रच्छ्। (लट्, लड्., लोट्, विधिलिड्., लृट्)
5.	सितम्बर	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या ' 11 से 15 तक। व्याकरण – स्वर सन्धि – इकोयणचि, एचोऽयवायावः, आद्गुणः, वृद्धिरेचि, अकः सवर्णे दीर्घः। कारक एवं विभक्ति – प्रथमा विभक्ति (कर्ता कारक) (1)स्वतन्त्रः कर्ता। (2) प्रातिपदिकार्थ लिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा।
6.	अक्टूबर	नाटककार का जीवन परिचय एवं नाट्यशैली। अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) (ततःप्रविशतः कुसुमावचयं नाट्यन्त्यौ सख्यौ।) अनसूया– हला प्रियंवदे! .....श्लोक संख्या 03 तक। व्याकरण – कारक तथा विभक्ति – द्वितीया विभक्ति (कर्म कारक) (1) कर्तुरीप्सिततमं कर्म। (2) कर्मणि द्वितीया। (3) अकथितं च। (4) अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि (वा0)।
7.	नवम्बर	चन्द्रापीडकथा – अथ तारापीडो .....सिंहासनम् आरुरोह। व्याकरण – अलंकार – अनुप्रास , यमक। **अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन।**

8.	दिसम्बर	चन्द्रापीडकथा –अथ दिग्विजयाय ..... सर्वम् आचचक्षे। रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या ' 16 से 26 तक। अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) अनसूया– यद्यपि नाम विषयपराङमुखस्य ..... श्लोक संख्या 06 तक। व्याकरण – कारक तथा विभक्ति – तृतीया विभक्ति (करण कारक) (1) साधकतमं करणम्। (2) कर्तृकरणयोस्तृतीया। (3) सहयुक्तेऽप्रधाने। (4) पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम्। (5) येनाङ्गविकारः।
9.	जनवरी	चन्द्रापीडकथा – अथ साकन्यका ..... यथार्थमेव नाम कृतवान्। अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) सख्यौ–हला शकुन्तले.....श्लोक सं0–10 (आकाशे) तक। व्याकरण – अनुवाद – हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। शब्दरुप – स्त्रीलिंग– रमा, मति, नदी, वधू, धेनु। मित्र तथा सम्बन्धियों को पत्र। प्रत्यय – क्तिन्, क्त्वा, ल्यप, शतृ, शानच्, तुमुन्, यत्। पुनरावृत्ति। कमजोर एवं प्रतिभाशाली छात्रों का उपचारात्मक शिक्षण।
10.	फरवरी	**गृह परीक्षा/वार्षिक परीक्षा का आयोजन।**
11.	मार्च	परीक्षाफल का वितरण।

नोट :–

कक्षा 11 में लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम करने की दृष्टि से :–

1) 'चन्द्रापीडकथा' से 'साहं पितृभवने बालतया..... सर्व रमणीयकानाम् एकनिवासभूताम् कादम्बरीं ददर्श।'

2) 'रघुवंशमहाकाव्यम्' (द्वितीय सर्ग) से श्लोक संख्या 27–40 तक को हटाया गया है।

3) व्याकरण –

शब्दरूप – पुंलिङ्ग, भगवत्, करिन्, पति, सखि, चन्द्रमस्।

स्त्रीलिंग :– वाच्, सरित्, श्री, स्त्री, अप्।

धातुरूप :– पस्मैपद – अस्, नश्, आप्, शक्, इष्,कृष्।

कारक एवं विभक्ति – द्वितीया विभक्ति (कर्म कारक) अधिशीडस्थासां कर्म, कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे।

स्वर सन्धि : एडि. पररूपम्, एड.: पदान्तादति।